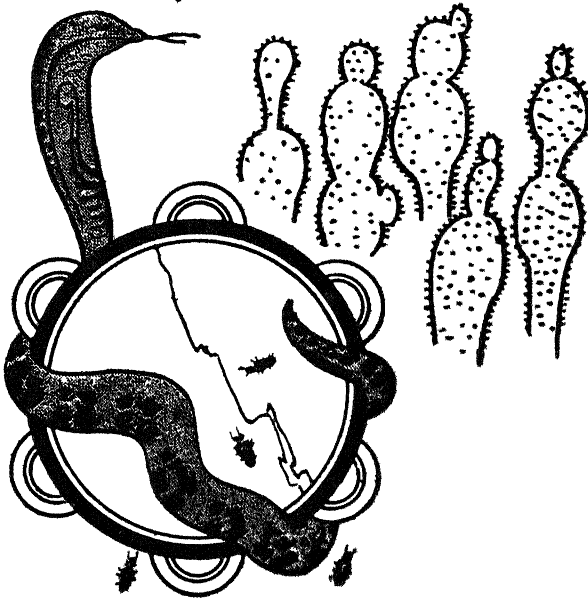
# खँजड़ी बोल रही है





डॉ॰ नरसिंह श्रीवास्तव